वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम.ए.पूर्वार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-04

काव्यशास्त्र एवं समालोचना

अवधि 3 घंटे अधिकतम अंक 80

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - स

इस खण्ड में विकल्प सहित चार प्रश्न सम्मिलित हैं। निम्नलिखित प्रश्नों में से दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 400 से 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 16 × 2 = 32

प्रश्न 1 आचार्य भामह के अलंकार सम्प्रदाय को सविस्तार समझाइए।

अथवा

रस निष्पति में अभिनवगुप्त के अभिव्यकितवाद को संदर्भ में साधारणीकरण की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 2 स्वच्छन्दतावाद की पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

शुक्ल परवर्ती युग में हिन्दी समीक्षा का विकास द्रुतगति से हुआ।' उद्धरण को स्पष्ट करते हुए शुक्लोत्तरयुगीन समीक्षा की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 3 रीति सिद्धांत का स्वरूपगत विवेचन करते हुए काव्यशास्त्र में रीतिगत मान्यताओं को समझाइए।

अथवा

मार्क्स के साहित्य चिंतन के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक यथार्थवाद कि विशेषताओ पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4 अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धांत के साक्य-वैसाक्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

स्वच्छन्दतावाद की प्रमुख प्रवृतियों की विवेचना कीजिए?

प्रश्न 5 "गीत वस्तुतः काव्य के सहज और प्रकृत रूप हैं। उद्धरण को परिभाषित करते हुए गीतिकाव्य के प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'रस' को परिभाषित करते हुए उसके विभिन्न अवयवों का सांगोपांग विवेचन कीजिए।

प्रश्न 6 पाश्चात्य सिद्धान्त 'अभिजात्यवाद' का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

उत्तर आधुनिकतावाद का अर्थ और स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7 काव्य की विविध दृष्टि परिभाषित करते हुए उक्ति व सूक्ति की चर्चा कीजिए ?

अथवा

महाकाव्य को परिभाषित करते हुए उसके स्वरूपगत भारतीय मत की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 8 आधुनिक काल के रचनाकारों - आलोचको की दृषिट में काव्य प्रयोजनों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

अथवा

काव्य में अलंकारों के निर्वहन की सिथति का सांगोपांग विवेचन कीजिए।

प्रश्न 9 काव्य को परिभाषित करते हुए उसके उद्देश्यों पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

अथवा

मुक्तक काव्य को परिभाषित करते हुए इसक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 10 पाश्चातय काव्यशास्त्र में काव्य प्रेरणा विषयक चिंतन सविस्तार समझाइए।

अथवा

रस सिद्धांत को परिभाषित करते हुए रस के स्वरूप पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

प्रश्न 11 आचार्य वामन के रीतिसिद्धांत की सविस्तार समझाइए।

अथवा

अपने कथन के आलोक में अरस्तू के विवेचन सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 12 टी.एस. इलियट के आलोचना विषयक विचारों को समझाइए।

अथवा

सैद्धांतिक आलोचना का स्वरूप विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 13 'काव्य की आत्मा औचित्य है।' कथन के परिप्रेक्ष्य में औचित्य सिद्धांत को सविस्तार समझाइए।

अथवा

अस्तित्ववाद के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख तत्वों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 14 हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास को सविस्तार समझाइए।

अथवा

पाठालोचन के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए इसमें प्रयुक्त सहायक सामग्री की सविस्तार विवेचना कीजिए।

प्रश्न 15 टी.एस. इलियट की प्रमुख मान्यताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्लेटो के काव्यगत आक्षेप क्या थे ? अरस्तू ने उनका निराकरण कैसे किया ?

प्रश्न 16 साधारणीकरण के सिद्धांत में विविध आचार्यो ने विविध मत प्रस्तुत किए ? सविस्तार समझाइए।

अथवा

"ध्वनि और रस का घनिष्ट सम्बन्ध है।" उद्धरण को स्पष्ट करते हुए रस की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 17 काव्य को परिभाषित करते हुए उसके विकास क्रम को सविस्तार समझाइए।

अथवा

गीतिकाव्य के स्वरूप व तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 18 अभिनवगुप्त के 'अभिव्यक्तिवाद' सिद्धांत के आधार पर 'सांधारणीकरण को समझाइए।

अथवा

हिन्दी आलोचना के उद्भव व विकास रेखांकित कीजिए।

प्रश्न 19 ऐतिहासिक आलोचना को परिभाषित करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

साहित्यिक कृतियों के आधारपर कुछ उत्तर आधुनिकतावादी पाठ को विवेचित कीजिए।

प्रश्न 20 कालरिज का परिचय प्रस्तुत करते हुए कल्पना सिद्धांत को समझाइए।

अथवा

'क्रोचे का अभिव्यंजनावाद' काव्य काला के सामाजिक परिप्रेक्ष्य को प्रस्तुत करते हैं सिद्धांत को सविस्तार समझाइए।

प्रश्न 21 काव्य लक्षण के ऐतिहासिक विकास क्रम को विवेचित करते हुए उसके स्वरूप प्रकाश डालिए।

अथवा

रस निष्पति में सहायक विभाव, अनुभाव तथा संचारी भावों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

प्रश्न 22 अलंकार का स्वरूपगत विवेचन करते हुए उसके वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आचार्य कुंतक के वक्रोक्ति सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 23 अरस्तू के 'टेजेडी सिद्धांत' को सविस्तार समझाइए।

अथवा

मार्क्स के साहित्य चिंतन की दृष्टि से सामाजिक यथार्थवाद की विशेषताएँ बताइएँ।

प्रश्न 24 आधुनिकतावाद के अर्थ, स्वरूपपर सविस्तार प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रगतिशील आलोचना के स्वरूप और विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 25 अस्तित्ववाद के संदर्भ में भारतीय चिंतन की सविस्तार व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

आचार्य क्षेमेन्द्र के 'औचित्य सिद्धांत' पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

प्रश्न 26 स्वच्छतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों को बताते हए कुछस्वच्छंदतावादी की प्रमुख प्रवृत्तियों को बताते हुए कुछ स्वच्छतावादी आलोचकों पर डालिए।

अथवा

लक्षण का अर्थ स्पष्ट करते हुए काव्य लक्षण के ऐतिहासिक विकास को समझाइए।

प्रश्न 27 हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

अथवा

रसानुभूति में साधारणीकरण सिद्धांत का कया महत्व है ? सविस्तार समझाइए।

प्रश्न 28 सामाजिक यथार्थवाद के सिद्धांत का सापेक्षित महत्व सविस्तार समझाइए।

अथवा

उत्तर आधुनिकता का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 29 नई समीक्षा की पृष्ठभूमि उसके स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उसकी विशेषताएँ बताइए।

अथवा

उत्तर आधुनिकता का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 30 स्वच्छंदतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों को बताते हए कुछ स्वच्छंदतावादी की प्रमुख प्रवृत्तियों को बताते हुए कुछ स्वच्छंदतावदी आलोचकों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'अस्तित्ववाद' के संदर्भ में भारतीय चिंतन की सविस्तार व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 31 'अभिव्यांजनावाद व वक्रोक्ति सिद्धांत का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

आचार्य क्षेमेन्द्र के 'औचित्य सिद्धांत' पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

प्रश्न 32 'रस' का स्वरूप् व उसकी महत्ता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गीतिकाव्य की परिभाषा व स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान समय में उसकी उपादेयता को वर्णित कीजिए।

प्रश्न 33 लक्षण का अर्थ स्पष्ट करते हुए काव्य लक्षण के ऐतिहासिक विकास को समझाइए।

अथवा

गीतिकाव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उसकी विशेषताएँ समझाइए।

प्रश्न 34 'प्रतिभा' एकमात्र काव्य हेतु है। कथन के सम्बन्ध में अपने विचार सविस्तार समझाइए।

अथवा

भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास बताइए।

प्रश्न 35 टिप्पणियाँ लिखिए -

(1) हिन्दी के काव्याचार्य और अलंकार विवेचन

(2) औचित्य के भेद

अथवा

रसानुभूति में साधारणीकरण सिद्धांत का क्या महत्व है ? सविस्तार समझाइए।

प्रश्न 36 सामाजिक यथार्थवाद के सिद्धांत का सापेक्षित महत्व सविस्तार समझाइए।

अथवा

हिन्दी आलोचना के उदभव और विकास पर एक निबन्ध लिखिए।